घोटाला

नारायणगंज जनपद में सोलर पैनल और लाइटों के बिलों में भारी फर्जीवाड़े का आरोप, सामान्य सभा में गूंजा मुद्दा, अब होगी जांच

8 की खरीदी सोलर लाइटें, लगाया 25 हजार का बिल

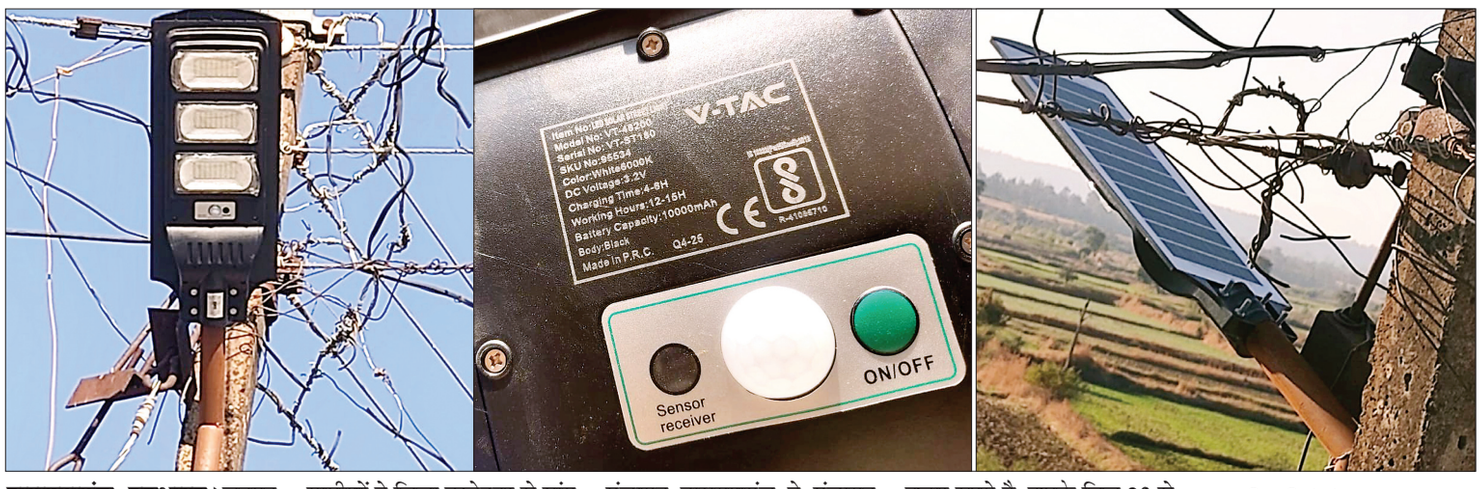

नारायणगंज, नवभारत। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतों में स्थापित किए गए सोलर रूफ पैनल और सोलर लाइटों के मामले में बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आने की आशंका है। 15वें वित्त आयोग की राशि से किए गए इन कार्यों में अत्यधिक ऊंचे बिल और घटिया गुणवत्ता की शिकायतों के बाद अब जनपद प्रशासन ने पंचायतवार जांच के आदेश जारी किए हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि इस मामले की जांच कराई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों पर उचित कार्रवाई की जाए।

सूत्रों के अनुसार विगत 23 जुलाई 2025 को आयोजित सामान्य सभा की बैठक में प्रस्ताव क्रमांक 11 के तहत सोलर पैनलों की खरीदी पर तीखे सवाल उठाए गए थे। इसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणगंज ने पंचायत राज संचालनालय और कलेक्टर मंडला के निर्देशों का हवाला देते हुए विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है।

बाजार दर से तीन गुना अधिक वसूली

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने दस्तावेजों के आधार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें बाजार में जिस लाइट की कीमत 8 से 10 हजार रुपये है, उसके बिल 20 से 25 हजार रुपये तक लगाए गए हैं। लगभग 1.5 लाख रुपये मूल्य के सोलर रूफ पैनल सिस्टम के बिलों में भी भारी विसंगति और अधिक राशि आहरण की बात सामने आई है। इसके साथ ही आरोप है कि आपूर्तिकर्ता चयन, दर स्वीकृति और निविदा प्रक्रिया को पूरी तरह गुप्त रखा गया, जिससे भ्रष्टाचार की संभावना और प्रबल हो गई है।

कुछ ही महीनों में खराब हुए उपकरण

बताया गया कि घोटाले का दूसरा पहलू उपकरणों की गुणवत्ता से जुड़ा है। पंचायतों में लगाए गए सोलर पैनल और लाइटें कुछ ही महीनों में शोपीस बनकर रह गए हैं। तकनीकी मानकों की अनदेखी के कारण कई स्थानों पर सिस्टम ठप पड़ा है, जिससे शासकीय धन की बर्बादी साफ नजर आ रही है।

प्रशासन की सजगता से लफरा में टला बाल विवाह

▸ परिजनों को दी सख्त चेतावनी, शादी का कार्यक्रम हुआ स्थगित

अंजनिया। जिले के बिछिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम लफरा में प्रशासन की मुस्तैदी से एक नाबालिग बालिका का जीवन अंधकार में जाने से बच गया। चाइल्ड हेल्पलाइन पर मिली गुप्त सूचना के आधार पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 13 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रुकवा दिया। अधिकारियों की समय पर पहुँच और कड़ी समझाइश के बाद परिजनों ने विवाह कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है।

जानकारी अनुसार ग्राम लफरा निवासी एक बालिका, जिसकी जन्मतिथि 22 जुलाई 2012 है, का विवाह तय किया गया था। जैसे ही इस गैर-कानूनी विवाह की सूचना प्रशासन को मिली, नायब तहसीलदार अंजनिया अजय श्रीवास्तव, परियोजना अधिकारी विनोड कुमार वाहने और बम्हनी बंजर पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घर पहुँचकर जब दस्तावेजों की जाँच की गई, तो बालिका की आयु मात्र 13 वर्ष पाई गई, जो विवाह हेतु कानूनी आयु से काफी कम है।

प्रशासनिक टीम ने बालिका के माता-पिता और उपस्थित रिश्तेदारों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के कड़े प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कराना कानूनन अपराध है। दोषी पाए जाने पर दो वर्ष का कारावास और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। विवाह में शामिल होने वाले पंडित, रिश्तेदार और अन्य सहायक भी समान रूप से दंड के भागीदार होते हैं।

पंचनामा तैयार कर बालिका को मिला संरक्षण

अधिकारियों की गंभीर समझाइश और कानून के डर के बाद परिजनों ने अपनी गलती स्वीकार की और विवाह रोकने पर सहमत हुए। मौके पर ही प्रशासन द्वारा पंचनामा तैयार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रशासन ने इस सफल हस्तक्षेप के बाद आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की जानकारी मिले, तो तत्काल 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या संबंधित थाना क्षेत्र में सूचना दें, जिससे किसी भी मासूम का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

नशामुक्ति से ही संभव है ग्राम का विकास

ग्वारा में बैठक के दौरान महिलाओं को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति किया जागरूक

नारायणगंज। नारायणगंज के सेक्टर माड़ोगढ़ अंतर्गत ग्राम ग्वारा वन में एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। प्रगति जनकल्याण समिति मझगांव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के कार्यों की समीक्षा के साथ सामाजिक सुधार के विषयों पर गहन चर्चा की गई।

बैठक का मुख्य केंद्र नशा मुक्ति अभियान रहा। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं के साथ संवाद करते हुए नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि नशा न केवल शारीरिक हानि पहुँचाता है, बल्कि यह आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव का भी सबसे बड़ा कारण है। महिलाओं को प्रेरित किया गया कि वे अपने परिवार और गांव को व्यसन मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

समिति के कार्यों का लिया लेखा-जोखा

बैठक में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्वारा वन द्वारा पूर्व में किए गए सामाजिक और विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से परामर्शदाता इंद्रा उइके, प्रगति जनकल्याण समिति के अध्यक्ष कमलेश पावले, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्वारा वन के सचिव सुनील मोगरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी और मातृशक्ति उपस्थित रही।

नैनपुर रेलवे यार्ड में सायरन गूंजने से मची अफरा-तफरी

रेलवे और एनडीआरएफ ने संयुक्त मॉक ड्रिल से परखी तैयारी

नैनपुर। रेल दुर्घटना जैसी आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत और बचाव कार्यों को पुख्ता करने के उद्देश्य से नैनपुर रेलवे स्टेशन यार्ड में एक वृहद संयुक्त मॉक अभ्यास (मॉक ड्रिल) संपन्न हुआ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल और 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, वाराणसी के इस साझा प्रयास ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों को वास्तविक धरातल पर परखा।

अभ्यास के दौरान एक काल्पनिक रेल दुर्घटना की स्थिति बनाई गई। जैसे ही दुर्घटना का संदेश प्रसारित हुआ, रेलवे का बचाव दल और हृष्ठक्रन्न की टीम आधुनिक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। अभ्यास में विभिन्न महत्वपूर्ण चरणों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें क्षतिग्रस्त बोगियों से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालना। घायलों को तत्काल मेडिकल सहायता देना और स्ट्रेचर के माध्यम से एम्बुलेंस तक पहुँचाना। आगजनी और धुएं की स्थिति में भीड़ पर नियंत्रण पाना और सुरक्षा घेरा तैयार करना।

डीआरएम की मौजूदगी में किया गया बचाव कार्य का अभ्यास

यह पूरा अभ्यास नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और प्रत्यक्ष निर्देशन में संपन्न हुआ। उन्होंने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया और राहत कार्यों में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। इस ड्रिल में रेलवे के इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, चिकित्सा, आरपीएफ और सिविल डिफेंस सहित सभी प्रमुख विभागों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

यात्री सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : गुप्ता

मीडिया से चर्चा करते हुए डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता ने कहा रेलवे यात्रियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐसे संयुक्त अभ्यास हमारी तैयारियों की कमियों को पहचानने और आपदा के समय विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बिठाने में सहायक होते हैं। आज रेलवे और एनडीआरएफ के बीच जो उत्कृष्ट समन्वय दिखा, वह किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और रेल अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने राहत कार्यों की इस जीवंत प्रस्तुति की सराहना की।

बड़ चौराहे पर झोपड़ी बनाकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे ग्रामीण

मोहगांव की अनदेखी पर फूटा आक्रोश, सरपंच संघ और क्षेत्रवासियों का सामूहिक प्रदर्शन

मोहगांव। विकासखंड मोहगांव की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं का निराकरण न होने से नाराज क्षेत्रवासियों ने अब आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। शुक्रवार से सरपंच संघ और समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से मंडला, डिंडोरी मार्ग स्थित बड़ चौराहा पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया है।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जनपद सदस्य बोध सिंह मरकाम ने बताया कि क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को लेकर पिछले कई वर्षों से शासन-प्रशासन के साथ निरंतर पत्राचार किया गया। दर्जनों बार आवेदन और ज्ञापन सौंपने के बावजूद आज दिनांक तक समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकाला गया। प्रशासनिक उदासीनता से तंग आकर ग्रामीणों ने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन का रास्ता चुना है।

अनूठे प्रदर्शन ने राहगीरों व प्रशासन का ध्यान खींचा

प्रदर्शनकारियों ने अपनी एकजुटता दिखाने के लिए बड़ चौराहा मोहगांव पर एक सांकेतिक झोपड़ी का निर्माण किया है, जहाँ ग्रामीण और सरपंच संघ के प्रतिनिधि अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। इस अनूठे प्रदर्शन ने राहगीरों और प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा है। प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा संघर्ष

जनपद सदस्य बोध सिंह मरकाम ने कहा है कि हमारी मांगें जायज हैं और हम सालों से धैर्य रखे हुए थे। अब जब तक प्रशासन हमारी सभी मांगों पर ठोस सुनवाई और निराकरण की कार्रवाई शुरू नहीं करता, तब तक यह धरना प्रदर्शन और सत्याग्रह अनवरत जारी रहेगा। इस धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर झुलसा

बिंझिया। बिंझिया इलाके में शुक्रवार को यहाँ एक दुकान में कार्यरत मजदूर काम के दौरान अनजाने में ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली की लाइनों की चपेट में आ गया। हादसे के तुरंत बाद दुकान संचालक और स्थानीय लोगों की मदद से घायल मजदूर को आनन-फानन में जिला अस्पताल मंडला ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी के लिए उसे तत्काल जबलपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में ले लिया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में मजदूर हाईटेंशन लाइन की जद में आया। इस घटना के बाद से क्षेत्र में बिजली लाइनों के पास स्थित दुकानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

सम्मान के साथ गांधी मेला में वृद्धजनों का हुआ अभिनंदन

भुआ बिछिया। नगर परिषद भुआ बिछिया के तत्वावधान में आयोजित 13 दिवसीय ऐतिहासिक गांधी मेला का भव्य समापन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया। इस दौरान नगर परिषद द्वारा गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रपिता को नमन किया गया और समाज के मार्गदर्शक वृद्धजनों का सम्मान कर मेले की गरिमा को नई ऊंचाइयां दी गईं।

मेला समापन समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं पार्षदगणों द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में राष्ट्रपति पुरस्कृत रोहणी प्रसाद शुक्ला, सुशीला नामदेव, फूलवती बाई, फूला यादव, हेमचंद जंघेला, बेनराम राजपूत सहित कई अन्य वरिष्ठजन शामिल रहे, जिन्हें शाल और श्रीफल भेंट कर उनके अनुभवों और योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

1952 से अनवरत जारी है गौरवशाली इतिहास

उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में मेले के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरुआत वर्ष 1952 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रमलू सिंह ठाकुर, स्व. कालीचरण और स्व. कोदू लाल जंघेला के प्रयासों से हुई थी। नगर परिषद आज भी इस परंपरा का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रही है। मेले के दौरान प्रतिदिन सूर्योदय पर ध्वजारोहण और सूर्यास्त से पूर्व सम्मानपूर्वक ध्वज उतारने की परंपरा का पालन किया गया, जिसे समापन पर उपयंत्री एच.आर. कुरैशी को सौंपा गया।

देशभक्ति गीतों का हुआ विमोचन

समारोह में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त रोहणी प्रसाद शुक्ला द्वारा रचित देशभक्ति गीत संग्रह का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों और प्रमुख आंदोलनों का वर्णन है। इसके साथ ही मेले के मुख्य आकर्षण के रूप में 10 से 12 फरवरी तक आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ, जिसमें अंतरराज्यीय टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम का सफल संचालन घनश्याम चौहान ने किया। इस अवसर पर पार्षद विकास गवले, नारायणी साहू, पूनम रजक, वरिष्ठ नागरिक, व्यापारीगण और नगर परिषद के कर्मचारी अशोक यादव, संजय सरौते, सचिन यादव, गगन यादव, कपिल नंदा सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

सुदामा चरित्र ने श्रोताओं को किया भाव-विभोर

▸ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

शहपुरा नवभारत 13 फरवरी। नगर के वार्ड क्रमांक 1 में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 6 फरवरी से 13 फरवरी तक निरंतर चलेगा, जिसमें संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य बृज कृष्ण शास्त्री के मुखारबिंद से किया जा रहा है।

कथा के दौरान विशेष रूप से सुदामा चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। कथा स्थल पर प्रतिदिन दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। साथ ही शहपुरा नगर के सभी वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्ग कथा श्रवण हेतु उपस्थित हो रहे हैं।

संगीतमय भजनों का भी हो रहा आयोजन

संगीतमय भजनों और कथा प्रसंगों के माध्यम से आचार्य बृज कृष्ण शास्त्री धर्म, भक्ति, प्रेम और मित्रता के भाव को सरल शब्दों में जनमानस तक पहुंचा रहे हैं। सुदामा चरित्र के प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का मार्मिक चित्रण सुनकर श्रोता भाव-विभोर हो उठे। आयोजन से नगर में धार्मिक वातावरण बना हुआ है और लोग धर्म लाभ उठा रहे हैं। यह संपूर्ण आयोजन शहपुरा नगर के वार्ड क्रमांक 1 में राजक परिवार के सहयोग से संपन्न हो रहा है।

ग्राम चांडा में आधार शिविर आयोजित

डिंडौरी। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामबाबू देवांगन के कुशल निर्देशन में आकांक्षी विकासखंड बजाग के सुदूर वनग्राम चांडा में विशेष आधार एवं समग्र आईडी शिविर का सफल आयोजन किया गया। 'संपूर्णता अभियान' के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत आयोजित शिविर का उद्देश्य वनांचल में निवासरत बैगा परिवारों एवं उनके बच्चों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ना रहा। शिविर का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत विभाग, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक तथा ई-गवर्नेंस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। दुर्गम क्षेत्र में सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग की गई।

ग्रामीणों ने मेले में की जमकर खरीददारी

▸ भानपुर में मड़ई मेला का आयोजन

अमरपुर नवभारत 13 फरवरी। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत भानपुर में 12 फरवरी से 13 फरवरी तक दो-दिवसीय मड़ई मेला का आयोजन किया गया। आस-पास के गांव और दूर दराज से आए ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंच कर मड़ई मेला का आंनद लिया।

मड़ई मेले में क्षेत्र के व्यापारियों ने भी दुकानें सजाई। मड़ई में लोगों के मनोरंजन के लिए झूले और अनेक तरह के खेल स्थापित किए गए। बच्चों के खेल खिलौने, घरेलू दैनिक उपयोग के बर्तन, कपड़े, हार्डवेयर के अलावा विभिन्न किस्मों को दुकानों में लोगों ने जमकर खरीददारी की। इस मौके पर क्षेत्रीयजनों में मड़ई को लेकर भारी उत्साह देखा गया। यहां पर निवास करने वाले मुख्यरूप से अहीर लोग पारंपरिक वेशभूषा और विभिन्न तरह के श्रृंगार पहने ढोल मांदर की थाप पर जमकर थिरकते नजर आए।

गुड़गप्पा एवं जलेबी की दुकानों में रही भीड़

ग्रामीण अंचल की सबसे प्रसिद्ध मिठाई गुड़गप्पा एवं जलेबी की दुकानों में लोगों की जमकर भीड़ देखी गई। छोटे बच्चों ने जंपिंग झपाक में उछलकूद कर आनंद उठाया। इस मड़ई मेले में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग ऑटो रिक्शा आदि वाहनों से दूर दराज से हजारों की संख्या में पहुंचकर मड़ई मेले में जमकर आनंद उठाया। दूसरे दिन शुक्रवार को गुदरी मड़ई का आयोजन किया गया।